

# करितान् रामः

पृष्ठा ३०५ पर लिखी गई शब्दावली है।

पृष्ठा ३०६ पर, शब्दावली है।

## शेषांक

पृष्ठांक	कविता
११८७	दुर्वासी च १००
११८८	मोगस्त व बर १९८८
११८९	व दुर्वासी - आंसू १४३
११९०	आंसूवर, नोकेवर १९८९ व जनेवरी- १९९०
११९१	जांस्टेवर च १९९०
११९२	र मार्च-एप्रिल १९९१
११९३	रो-फेक्चुवरी च १९९२
११९४	प्रित १९९२
११९५	मोगस्त, सटेंवर- बर, नोकेवर-हिंसेवर ३
११९६	पर-जिंसेवर १९९९, पी-स्ट्रिलारी, प्रित व मे-जून ०
११९७	र-आंसूवर व नोकेवर १६० र २००६

पारी गारि संपादक गुणोगा पाठील यांत्रा मालार्ह  
फाल्या, काळासिया, काळासिया ए कवितार्थी यांता यातिरेके शिक्षिका

## कविता-सरी

संस्कारक संपादक : गुणोगा पाठील यांत्रा : आयुतो गोगा पाठील  
शुस्ति-आंगन्तकरणसंस्कार-गोपनीय २०२० □ रुप ३५ दे : गंगा ५ य ६

## कविता

संदोष आठवड्यकर यांत्रा कविता, केशव यथा ३,  
प्रवीण योग्ये यांत्रा कविता ५-६.

## अभियादन

शरवंदं गुणियेय यांत्रा कविता - शेत एडके ७-१०  
१. द. गा. धारणस्तर यांत्री कविता - गुणी यांत्रा ११-३६.  
२. त्वंद लाली यांत्री कविता : ग्राम व स्त्रीय - अणु एडके ३५-५२.

## कवितार्थ

सोश एवज्ज्वर ५३, गुणत मात्रक यांत्रा कविता ५४-५६,  
शेतल अविल एव यांत्रा कविता ५७-५८,  
विनेद नेंद्र-कुलकर्णी ५८.

## परीक्षण

'पारी गारि जाव सरी' : येज्ञा यात्रवरी कविता - प्रोद फुपाटे ५१-६३.  
परीक्षण

१. उन्नुपाया पाठील यांत्रा कविता - विलिंग धोडो ६४-७२.  
२. दायंती रवांवर : शेत आणि यापन - अणुकवाल  
णालेडवास शाढ ७३-७५.

## कविता

मधू एवज्ज्वर यांत्रा कविता ७६-७९, ग्रांती यायकवाल ७९,  
प्रवीण चापुलाल एडक ८०.

## मुख्यपूर्ण

## अर्थित आणं

कविता-तो/ शुस्ति-आंगन्तकरणसंस्कार-गोपनीय २०२०









पूर्वानुकूल देखते रहने के लिए यहाँ पुरुषोंसाथ काहो जाही प्रदान करत असलीस तरी जगत्पर्यावर धारापर्व भृगुन तू लीज मुठीर भृगुन मुकुलानाम बासतेसे. या तुम्हें प्राप्तानुकूल तुम्हें देखाए आहो. दुरुप्रवापाना प्राप्त कलात्मकाने जाही तात्पर्याचा भाग नभूल नोंदाची चिन्ह काढत असलीस होय दू यात्रा याच दुक्कान ठेवते. इये नोंद ही फ्रिडिना दुपुर्याची आहे. येत हा वृहत्प्राप्तांक अल्लो, काहीतप्राप्ता दुपुर्य हा वात्सल्यात्पा च ज्ञानप्राप्ता तेंदुलुक आहे, येत हांडीच्याचा कलापान बासते. दोन्होचाचा आकाराचे कलापानांदांनी तो नाशतो. योंताचा विनाशी होणार असेहो, विनाशी होणार संप्रवापानांदांनी तेंदुले दुक्कानीकरन व कुरुकुरु सुंदुतां देवते. देवत नोंद, लांडाच्या व रिसे तुळना करून जासतात. कोरेज्जा विचित्र प्राप्तांना वेत्तेप्रकार विचाराना स्वतन्त्र जातते. विनाशीचा नेटावत्तरीली नोंदाचा कारोबार विचाराना अल्लो, नोंदाचा संदर्भानुसार तोचा थां परिचाच आहे. नोंद रस्तों दा तात्पर्याकाळ नुसारुगाची अधिकारीक दावा आहेह. राज नोंद रक्षण दुंहर उत्तरा दर्घे त्वार्यां पाय कांडे व वेदव वज्रावाह. नोंदरांने ही बौद्ध झारे, कल्पनेहरां दैवी नोंदाची चिन्ह काढते. कारपर्वतप्राप्ता दुक्कानांच नव्हे राज चौकुलानांनी नोंदाची चिन्हे काढावटारा आवडावाट. नव्हाव ही शीदेवरूप आहे, याचना दुक्का ही भोजनावटावा वाटावर ही जीव्याचा काळकृत नकळत वाचिवाचा भाग आहे, याच नोंदरावाचा दुरुप्रवापाना द्युमुखाची व्यापारावरी संविलाना आलेले. नोंद नावाला लोंदीप्रिया आकारावर जातते ही त्वार्या हेतुना एक सामन व दृश्यमानुसे त्वाला हीगांवाकांवांद दुरुप्रवाप द्यावा, याच नोंद नोंदेन्ने स्वतंत्र दुरुप्रवाप कुरुक्षेत्राचा व्याहीर तात्पर्य मिळू न दीवी ही व्यावर्तने वैयुक्त होय. वैयुक्त नवा नोंदनांदेही इत्यत दैवते व ज्ञानावाव व्यापार ही राज अलादीं ही पायुलुच दुरुप्रवापाना बात क्षमावा, पुरुषाच्या कलापानांदांनी आरी ही जी असलीसीरी दिला दुपुर्याचा वैयुक्ताची करून असलीस वैयुक्त ही नोंदाचा राज दुक्कान दर्शनाकरते.

तिसम्बा द्वारा दिल्ली का संचाल चलाउ था और, ही कल्पनेनंदतो दर्श अस्तु देखते ही  
दिल्ली निदन महान् अस्तु यत्कर्ता है अर्थात् देवदू जैसानहुए दली की नक्षत्रों की  
आपत्ति दिल्ली द्वारा दर्शन का प्रयत्न दिल्लीन् द्वारा यथा अद्यूष धर्मवत्सली, ही निचम्भा  
द्वारा द्वारा प्रदिल्ली घोषक आठे, तिसम्बा द्वारा गण्डा अस्तु, दर्शन द्वा निर्विद्यावादी  
अस्तु, दृष्टिव्या सोंसों कैवल्यगमनक योग्यताही दिल्ली द्वारा नक्षत्र जाते, द्वा अस्ता  
पुरुषदात्मक यथा यात्रक देवनान्दा तिसम्बा द्वारा यथा पापात्मता शहस्र लगाने हैं  
सोंसों दृष्टिव्या नक्षत्र कल्पनेनंदता यत्कर्ता मात्रत अस्तु यत्कर्ता है दैर्दण, दर्शन दुश्यता है  
देवदू स्वा पुरुषो अद्यूष धर्मवत्सली राजवं लगाने, पौराण्यार्थं त्वाव वर्तन सुख जाते दी  
हाँदीप्रसारं तुला अकर्त्तव्य व्याख्य लगाने नृपत वर्णी अपान वर्णी एक्षुदी पूर्व दर्शनं,  
अद्यूष तुला है ही दर्शन अस्तु यत्कर्ता एक्षु दीर्घ दीर्घ अभ्या या चांगेवदता भट्टात्मता वालवावी  
लगाने यत्कर्ता अद्यूषदी पित वाद नस्तेवती, दैर्दण वर्त्तवीर्यी चांगेवदावी प्राक्षया (प्राक्षया)  
योजनाती आठे, वानवेद द्वा जैवन्याव्या स्पष्टवत्तीन प्रसिद्ध योगी नक्षत्र द्वारा यत्कर्ता, अलग्या  
योग्यतावादी वैदिकों द्वारा यत्कर्ता, गण अस्तु उभयोंवादी दर्शन योगी अनिवार्य

અને અત્યારે 'કુદરાયા કલાંબિંગ ટ્રાન્સ' એ પરિણામી વિભાગ પ્રદાન કરું છે.

ପୁଷ୍ପକାଳୀମାନପରିବର୍ତ୍ତକ ଜାଗରି	ପ୍ରାଣଶୂନ୍ୟ ପରାମର୍ଶକାରୀ ହେଉଥିଲା
କେତେବୀରି	ପିଲାଙ୍କରୀ ଦ୍ୱାରାକାର୍ଯ୍ୟ
ଏହି ଆମ୍ବାକାଳୀମାନ ହାତ୍	ଅର୍ଦ୍ଧାବ୍ଦ ପରାମର୍ଶକାରୀ
ଏହି ଆମ୍ବାକାଳୀମାନ	ଜାଗରି କାହାରେ
କାହାରେ ପରିବର୍ତ୍ତନ ହେଲା	ଜାଗରି କାହାରେ ଦେଖି ଦେଖାଯାଇଲା
ଏହି ନାହିଁ ହେଲା କାହାରୀରି	ଆମି ନା ଆମା
ଜିଲ୍ଲା କର୍ତ୍ତା ମେଲି	ପରାମର୍ଶକାରୀ ହେଉଥିଲାକି
ପେନ୍ଦିଲକା ପରିବର୍ତ୍ତନ କାହିଁବାର	ପରାମର୍ଶକାରୀ କାହାରେ
ନ କରିଲାକି	ପରାମର୍ଶକାରୀ ଆମାରୁଙ୍କି ନିତ
ରାତିରାତିକା ହେଲା କିମ୍ବା	କାହାରେ ଦେଖିଲାକି
କାହାରେ କାହାରୀରି ହେଲାକିମ୍ବା	କାହାରେ ପରାମର୍ଶକାରୀ ହେଲାକି
କେତେବୀରିନେ	କୋଣ ନିରିଶିଲ୍ଲାଯା କହାଇଥିଲା
କେତେବୀରିନେ କାହାରେ କିମ୍ବା	ପାଇଁଗ
ପରାମର୍ଶକାରୀ ମାତ୍ର	ମାତ୍ରା କାହାରେ କୁଣ୍ଡାଳ
କାହାରେ	ପରାମର୍ଶକାରୀ ଦେଖି ଆମାରୁଙ୍କି
କାହାରେଠିଲି ଆମାରୀ ହେଲି	କହାନ୍ତି ନାହିଁ
କୁଣ୍ଡାଳ କେତେବୀରି ହେଲା	ପରାମର୍ଶକାରୀରି
କୁଣ୍ଡାଳ କାହାରୀରି ହେଲା	କୋଣାରକି ନାହିଁ
କାହାରେ ପରାମର୍ଶକାରୀ ହେଲା	କୋଣାରକା କୁଣ୍ଡ ଦେଖ ନାହିଁଲା
କୋଣାରକା	ପୁରୁଷା ପାରାମର୍ଶିତୁନ ପାରାମର୍ଶାରି
ପାରାମର୍ଶକାରୀ ମୋଖୀରୀ କିମ୍ବା	ଦେଖି ନାହିଁ...
ପାରାମର୍ଶକାରୀ କୋଣାରକା ହେଲା	ଆମି ପାରାମର୍ଶ ପରାମର୍ଶକାରୀ
କାହାରେ ଆମାରା ଆମାରା	କହାନ୍ତି ନାହିଁ କାହିଁଚି
କାହାରେ ଆମାରା ଆମାରା	ନା ଆମାରା ଆମାରାନେବେଳୀ
କିମ୍ବାକାଳୀମାନ ହେଲା	ଆମିଙ୍କ କୋଣ ଆମାରି
କାହାରେ ଆମାରା ଆମାରା	ଆମାର ସବୁ ପାରାମର୍ଶକାରୀ
କାହାରେ ଆମାରା ଆମାରା	ଦେ ପାଖି (୩, ପର-୫୬).

त्रैपञ्च कोलीकी द्वारा लेखियाँ ही वीर्य कविता आये, जोरी कविता ही बातुपभा पारीले भांचा धूम्कीता कवितोंचे अवकाशदात दीशिणाऱ्यान आये, लोळा आणिहातीला वीर्य कवितेचा अवकाशा द्वा आव देणाऱ्या डत्तो वारे लगात शेते, आ कवितेतील मुख्य भाषणा वाचक काणाऱ्या पाठी वाई आवे या ती कालानिंवां खीपापूर्णां घेवाव गावे, जोर धारालिंवां खीपी दुंचाव कारू, ज्ञानाचावहाल सां संचाव तोंडी तो मुझागदलाचा संचाव आये, मग मुख्याच्या काळगेत देऊलीच मळ काळानिंवां वाई आपाटे, यो वाई दारसा धारातव

disponibili anche nei più grandi negozi di informatica nei vari paesi.

स्थीरामहार्षी प्रतिनिधि अपालोली सर्वज्ञाभाषण मार्ग गा कालनीयत्वा आईक्षी प्रुमाण्या खंडित संबंध नक्तमाना राखते थीं। तू कलनीयत्वा आर्ह अपालोली तरी आवेदन तू बाईक्षी आयो। धारण पापमौले कालगृह गोदा कठन लांची गोराची दिनें कालतो। तू





